



Pt. Sumit. Sharma



Pt. Jyoti. Sharma

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120947701

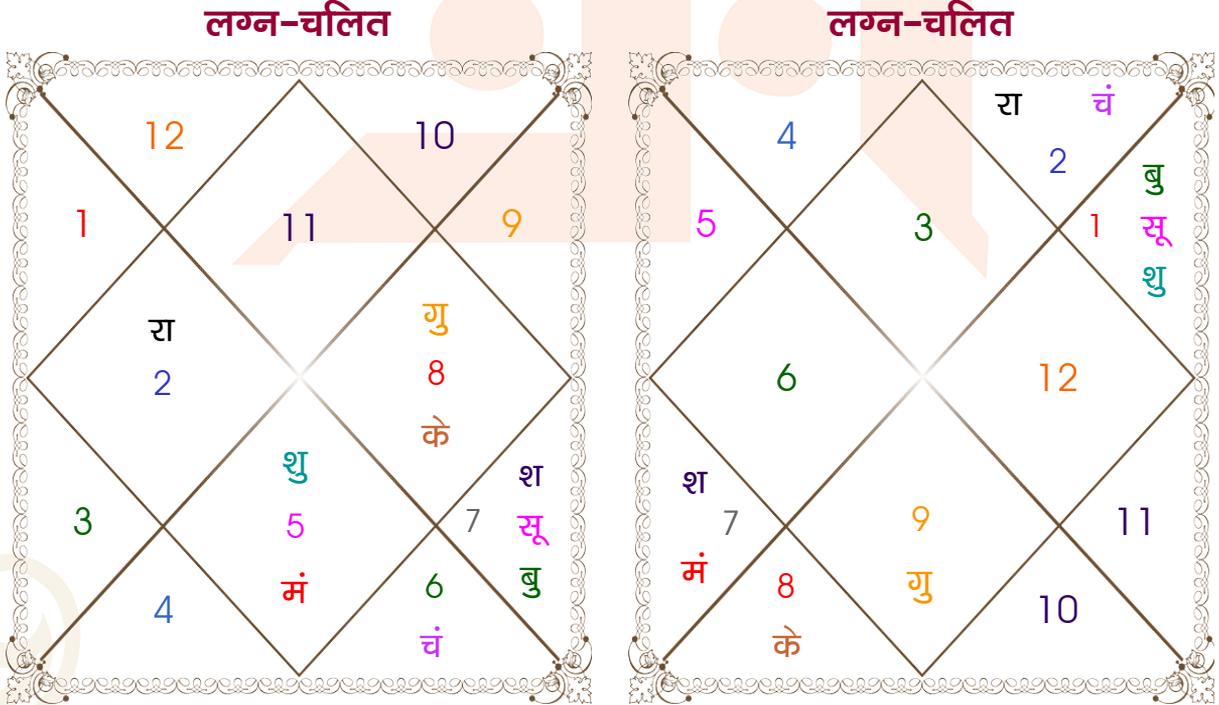
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
02/11/1983 :	जन्म तिथि	: 04/05/1984
बुधवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 14:50:00 :	जन्म समय	: 09:45:24 घंटे
घटी 20:58:17 :	जन्म समय(घटी)	: 10:18:09 घटी
India :	देश	: India
Gwalior :	स्थान	: Gwalior
26:12:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:12:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:26:41 :	सूर्योदय	: 05:38:08
17:35:10 :	सूर्यास्त	: 18:50:38
23:37:34 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:38:01
कुम्भ :	लग्न	: मिथुन
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
कन्या :	राशि	: वृष
बुध :	राशि-स्वामी	: शुक्र
हस्त :	नक्षत्र	: मृगशिरा
चन्द्र :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
1 :	चरण	: 1
वैधृति :	योग	: अतिगण्ड
गर :	करण	: गर
पू-पुरुषोत्तम :	जन्म नामाक्षर	: वे-वैशाली
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
वैश्य :	वर्ण	: वैश्य
मानव :	वश्य	: चतुष्पाद
महिष :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: देव
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मूषक :	वर्ग	: मृग

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 3मा 17दि	21:32:44	कुंभ	लग्न	मिथु	21:10:04	मंगल 5वर्ष 8मा 3दि
गुरु	15:45:09	तुला	सूर्य	मेष	20:15:09	शनि
18/02/2017	12:16:14	कन्या	चंद्र	वृष	25:51:11	07/01/2024
18/02/2033	26:48:44	सिंह	मंगलव	तुला	29:42:02	07/01/2043
गुरु 08/04/2019	17:27:06	तुला	बुध व	मेष	02:44:49	शनि 10/01/2027
शनि 19/10/2021	19:03:45	वृश्चि	गुरु व	धनु	19:17:54	बुध 19/09/2029
बुध 25/01/2024	29:13:55	सिंह	शुक्र	मेष	08:47:41	केतु 29/10/2030
केतु 31/12/2024	13:52:04	तुला	शनि व	तुला	19:23:09	शुक्र 28/12/2033
शुक्र 01/09/2027	22:49:56	वृष व	राहु	वृष	12:59:42	सूर्य 10/12/2034
सूर्य 19/06/2028	22:49:56	वृश्चि व	केतु	वृश्चि	12:59:42	चन्द्र 11/07/2036
चन्द्र 19/10/2029	13:57:24	वृश्चि	हर्ष व	वृश्चि	19:03:05	मंगल 19/08/2037
मंगल 25/09/2030	03:38:11	धनु	नेप व	धनु	07:31:45	राहु 25/06/2040
राहु 18/02/2033	06:14:06	तुला	प्लूटो व	तुला	06:44:22	गुरु 07/01/2043

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

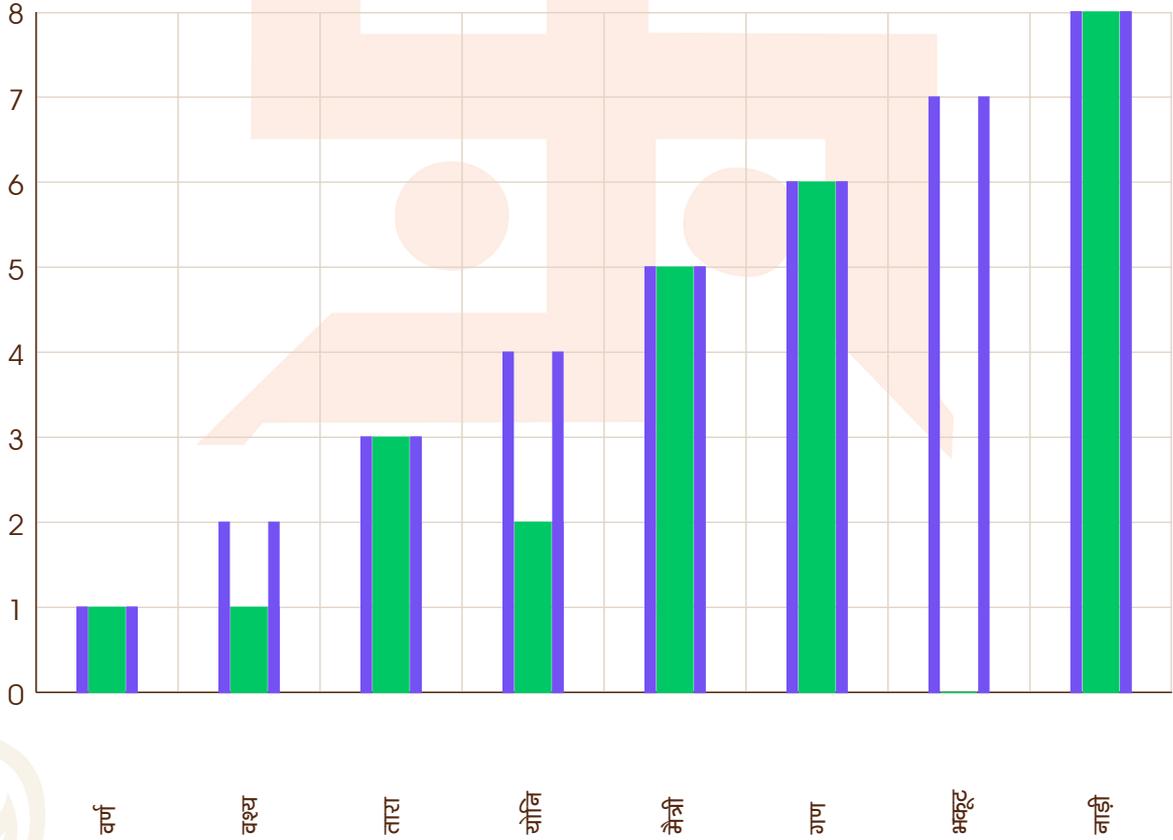
23:37:34 चित्रपक्षीय अयनांश 23:38:01



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>26.00</b>		

कुल : 26 / 36



## अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

चज्जैनउपजर्णैतउं का वर्ग मूषक है तथा चज्जश्रलवजपर्णैतउं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार चज्जैनउपजर्णैतउं और चज्जश्रलवजपर्णैतउं का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

चज्जैनउपजर्णैतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चज्जश्रलवजपर्णैतउं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

चज्जैनउपजर्णैतउं तथा चज्जश्रलवजपर्णैतउं में मंगलीक मिलान ठीक नहीं है।

### निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

ज्जैणउपजर्णैतउं का वर्ण वैश्य है तथा ज्जणश्रलवजपर्णैतउं का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण ज्जैणउपजर्णैतउं और ज्जणश्रलवजपर्णैतउं दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रुपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। ज्जैणउपजर्णैतउं और ज्जणश्रलवजपर्णैतउं दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

### वश्य

ज्जैणउपजर्णैतउं का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं ज्जणश्रलवजपर्णैतउं का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप ज्जैणउपजर्णैतउं एवं ज्जणश्रलवजपर्णैतउं दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। ज्जणश्रलवजपर्णैतउं अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में ज्जैणउपजर्णैतउं अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

### तारा

ज्जैणउपजर्णैतउं की तारा अतिमित्र तथा ज्जणश्रलवजपर्णैतउं की तारा सम्पत् है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। ज्जैणउपजर्णैतउं हमेशा ज्जणश्रलवजपर्णैतउं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

### योनि

ज्जैणउपजर्णैतउं की योनि महिष है तथा ज्जणश्रलवजपर्णैतउं की योनि सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च्जणैनउपजणैतुं एवं च्जणश्रलवजणैतुं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि च्जणैनउपजणैतुं एवं च्जणश्रलवजणैतुं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण च्जणैनउपजणैतुं एवं च्जणश्रलवजणैतुं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

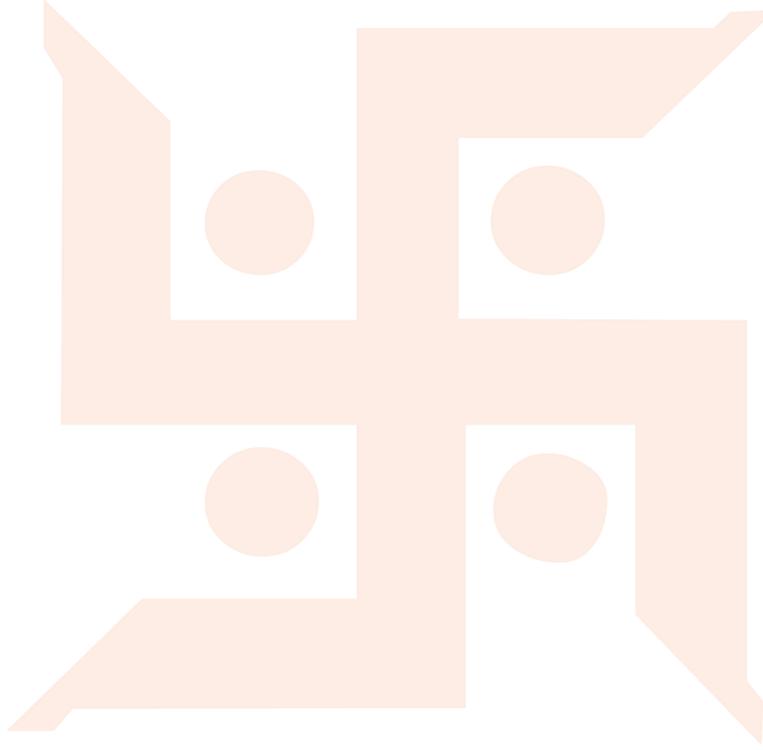
च्जणैनउपजणैतुं का गण देव तथा च्जणश्रलवजणैतुं का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

### भकूट

च्जणैनउपजणैतुं से च्जणश्रलवजणैतुं की राशि नवम भाव में स्थित है तथा च्जणश्रलवजणैतुं से च्जणैनउपजणैतुं की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। च्जणैनउपजणैतुं की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

## नाड़ी

च्चैःपुनःपुनःपुनः की नाड़ी आद्य है तथा च्चण्णलवजण्णैःपुनः की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

ज्जपैनउपजर्णैतउं की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा ज्जपश्रलवजपर्णैतउं की राशि भी पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तत्व की परस्पर नैसर्गिक समता होने के कारण ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं के स्वाभाविक गुणों में समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

ज्जपैनउपजर्णैतउं की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा ज्जपश्रलवजपर्णैतउं की जन्म राशि का स्वामी शुक परस्पर मित्र है। अतः ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं के मध्य मित्रता सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा तथा एक दूसरे को उचित सम्मान प्रदान करेंगे।

ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं की जन्म राशि परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं में अहंकार के भाव की उत्पत्ति होगी तथा इस प्रवृत्ति से एक दूसरे की उपेक्षा तथा आलोचना आदि करेंगे जिससे आपसी संबंधों में तनाव आदि उत्पन्न होगा परन्तु यदि ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं सावधानी एवं धैर्य से कार्य करें तो तथा इन प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तो दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होने की संभावना बन सकती है।

ज्जपैनउपजर्णैतउं का वश्य मानव तथा ज्जपश्रलवजपर्णैतउं का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

ज्जपैनउपजर्णैतउं और ज्जपश्रलवजपर्णैतउं दोनों का वर्ण वैश्य है अतः इनकी कार्य क्षमताएं बराबर होंगी तथा दोनों की प्रवृत्ति धनार्जन में रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से ये कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

## धन

ज्जपैनउपजर्णैतउं का जन्म अतिमित्र तथा ज्जपश्रलवजपर्णैतउं का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से ज्जपश्रलवजपर्णैतउं एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा ज्जपश्रलवजपर्णैतउं के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं

होगा। इस प्रकार च्जणैनउपजणैतउं और च्जणश्रलवजणैतउं आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

च्जणैनउपजणैतउं और च्जणश्रलवजणैतउं को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

### स्वास्थ्य

च्जणैनउपजणैतउं का आद्य तथा च्जणश्रलवजणैतउं की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से च्जणश्रलवजणैतउं को समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित्त संबंधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए च्जणश्रलवजणैतउं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

### संतान

उचित समय पर संतति प्राप्ति की दृष्टि से च्जणैनउपजणैतउं और च्जणश्रलवजणैतउं का मिलान उत्तम नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें संतति की प्राप्ति विलम्ब से होगी तथा बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी असामान्य रहेगा फलतः बच्चों की उचित परवरिश करने में च्जणैनउपजणैतउं और च्जणश्रलवजणैतउं को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साथ ही इनके कन्या एवं पुत्रसंतति की संख्या बराबर रहेगी।

गर्भावस्था के प्रारंभिक दिनों में किंचित अनियमिताओं के फलस्वरूप च्जणश्रलवजणैतउं को किंचित परेशानियां हो सकती है। अतः च्जणश्रलवजणैतउं को चाहिए कि शुरु से ही अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखें तथा खान पान पर भी विशेष ध्यान दें। साथ ही नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण करवाती रहें। इससे परेशानी दूर होगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में च्जणश्रलवजणैतउं सफल होंगी। इससे पति तथा अन्य पारिवारिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

च्जणैनउपजणैतउं और च्जणश्रलवजणैतउं अपने बच्चों की प्रगति से सन्तुष्ट रहेंगे। बच्चे भी योग्य बुद्धिमान एवं व्यवहार कुशल होंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। इससे अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में समान रूप से श्रद्धा तथा आज्ञापालन का भाव होगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार च्जणैनउपजणैतउं और च्जणश्रलवजणैतउं का पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा तथा शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

## ससुराल-सुश्री

ज्जणश्रलवजपणैतउं के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद ज्जणश्रलवजपणैतउं अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से ज्जणश्रलवजपणैतउं पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि ज्जणश्रलवजपणैतउं अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

## ससुराल-श्री

ज्जणैनउपजणैतउं के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को ज्जणैनउपजणैतउं अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी ज्जणैनउपजणैतउं के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ज्जणैनउपजणैतउं के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।